Dr. Priti Ranjan

H. O. D history department

H. D jain college, ara

ग्रीक एवं रोमन इतिहास लेखन की परंपरा की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

भूमिका (Introduction):

इतिहास लेखन की वैज्ञानिक और तार्किक परंपरा का आरंभ प्राचीन यूनान (ग्रीस) से हुआ माना जाता है। ग्रीक और रोमन इतिहासकारों ने इतिहास को मिथक और किंवदंतियों से अलग करके **मानव के कार्यों, राजनीतिक घटनाओं और समाज की वास्तविकता** के रूप में प्रस्तुत किया।
इस परंपरा ने बाद के यूरोपीय इतिहास लेखन की नींव रखी।

१. ग्रीक इतिहास लेखन की विशेषताएँ (Features of Greek Historiography):

ग्रीक इतिहासकारों ने इतिहास को मानव-क्रिया और तर्कसंगत विश्लेषण का विषय बनाया। उन्होंने घटनाओं की **जांच, साक्ष्य और युक्ति** के आधार पर व्याख्या की।

(क) हेरोडोटस (Herodotus) – "इतिहास का जनक"

- हेरोडोटस (484-425 ई.पू.) को **'Father of History'** कहा जाता है।
- उनकी प्रसिद्ध कृति **"Histories"** है, जिसमें उन्होंने यूनान और फारस के युद्धों का वर्णन किया।
- उन्होंने पहली बार घटनाओं के **कारणों** की खोज की।
- उनके लेखन में इतिहास, भूगोल, संस्कृति और मानव स्वभाव का मिश्रण मिलता है।
- उन्होंने इतिहास को "मानवता के अनुभवों की कहानी" माना।

◈ *(ख) थ्यूसीडाइड्स (Thucydides) – यथार्थवादी दृष्टि*

- थ्यूसीडाइड्स (460-395 ई.पू.) की रचना **"History of the Peloponnesian War"** इतिहास लेखन में यथार्थवाद की मिसाल है।
- उन्होंने **तथ्यों का तर्कपूर्ण विश्लेषण** किया और चमत्कारिक या दैवी कारणों को अस्वीकार किया।
- उन्होंने राजनीतिक शक्ति, मानव स्वार्थ और युद्ध की वास्तविकता को बिना अलंकरण प्रस्तुत किया।
- थ्यूसीडाइड्स को इतिहास में **वैज्ञानिक दृष्टिकोण** का प्रवर्तक माना जाता है।

◈ *(ग) जेनोफोन (Xenophon)*

- उन्होंने **"Anabasis"** नामक ग्रंथ में ग्रीक सैनिकों के अभियानों का वर्णन किया।
- उनके लेखन में **व्यावहारिक अनुभव और नैतिक दृष्टिकोण** दोनों झलकते हैं।

◈ *(घ) ग्रीक इतिहास लेखन की प्रमुख विशेषताएँ*

1. **तथ्यपरकता और तर्कशीलता** – घटनाओं को कारण-परिणाम के आधार पर देखा गया।
2. **राजनीतिक और सैन्य दृष्टिकोण** – शासन, युद्ध और नेतृत्व प्रमुख विषय रहे।
3. **मानव-केंद्रित दृष्टि (Humanistic View)** – दैवी हस्तक्षेप के स्थान पर मानव क्रिया पर बल।
4. **साक्ष्य और प्रमाण की खोज** – मौखिक या भौतिक साक्ष्यों के प्रयोग की शुरुआत।
5. **साहित्यिक शैली** – इतिहास लेखन को साहित्यिक और कलात्मक रूप भी दिया गया।

२. रोमन इतिहास लेखन की विशेषताएँ (Features of Roman Historiography):

रोमन इतिहासकारों ने ग्रीक परंपरा को अपनाते हुए **राजनीतिक, कानूनी और नैतिक मूल्य** पर बल दिया। उनके लेखन में **राष्ट्रीय गौरव और आदर्श नागरिकता** की भावना प्रमुख रही।

📝 *(क) लिवी (Livy)*

- उनकी प्रसिद्ध रचना **"History of Rome" (Ab Urbe Condita)** है।
- उन्होंने रोम की स्थापना से लेकर अपने समय तक का इतिहास लिखा।
- उनके लेखन में **देशभक्ति और नैतिक शिक्षा** पर बल है।
- तथ्यों की अपेक्षा आदर्शों और परंपराओं को अधिक महत्व दिया गया।

📝 *(ख) टासिटस (Tacitus)*

- प्रमुख कृतियाँ – **"Annals"** और **"Histories"**।
- उन्होंने रोमन साम्राज्य के सम्राटों के शासन की आलोचनात्मक विवेचना की।
- टासिटस का दृष्टिकोण **नैतिक और यथार्थवादी** दोनों था।
- उन्होंने सत्ता के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और पतनशीलता को उजागर किया।

📝 *(ग) सिसरो (Cicero) और सैलस्ट (Sallust)*

- इन लेखकों ने इतिहास को **नैतिक चेतना** और **राजनीतिक जिम्मेदारी** से जोड़ा।
- उन्होंने बताया कि इतिहास का उद्देश्य केवल वर्णन नहीं, बल्कि **चरित्र-निर्माण** है
- (घ) रोमन इतिहास लेखन की प्रमुख विशेषताएँ

1. **राजनीतिक एवं नैतिक दृष्टिकोण** – इतिहास को नैतिक शिक्षा का माध्यम माना गया।
2. **देशभक्ति और गौरवबोध** – रोम की महानता और आदर्शों का गुणगान।

3. **जीवनी एवं चरित्र-लेखन** – महान व्यक्तियों के जीवन पर बल।
4. **साहित्यिकता** – रोमन इतिहासकारों ने इतिहास को साहित्यिक सौंदर्य प्रदान किया।
5. **आलोचनात्मक दृष्टिकोण** – टासिटस जैसे इतिहासकारों ने शासकों की नीति की आलोचना की।

ग्रीक और रोमन परंपराओं की तुलना (Comparison):

पक्ष	ग्रीक इतिहास लेखन	रोमन इतिहास लेखन
केंद्रबिंदु	तर्क, तथ्य और मानव क्रिया	नैतिकता, देशभक्ति और आदर्श
दृष्टिकोण	वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक	नैतिक और व्यावहारिक
प्रमुख विषय	युद्ध, राजनीति, समाज	शासन, नागरिकता, नैतिक मूल्य
स्वरूप	जिज्ञासापूर्ण एवं खोजपरक	शिक्षाप्रद एवं राष्ट्रीय
प्रमुख इतिहासकार	हेरोडोटस, थ्यूसीडाइड्स	लिवी, टासिटस

निष्कर्ष (Conclusion):

ग्रीक और रोमन इतिहास लेखन ने आधुनिक इतिहास की नींव रखी।
ग्रीकों ने इतिहास को **तथ्य और तर्क** का विषय बनाया, जबकि रोमनों ने इसे **नैतिकता और राष्ट्रीय गौरव** से जोड़ा।
इन दोनों परंपराओं ने मिलकर इतिहास को **सत्य, विवेक और मानवीय मूल्यों** की दिशा में अग्रसर किया।

संक्षेप में:

“ग्रीक इतिहासकारों ने इतिहास को विज्ञान बनाया, और रोमन इतिहासकारों ने उसे नैतिकता का आयाम दिया।”